उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–07(02/41)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत मंगलवार, 13 फरवरी, 2018 को प्रातः 9.30 बजे परेड ग्राउण्ड देहरादून में आयोजित ऑल इंडिया सीनियर रैकिंग बैडमिन्टन चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारम्भ करेंगे। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र अपराह्न 12.00 बजे गंगाणी, बड़कोट (उत्तरकाशी) में फाल्गुन संक्रान्ति के शुभ अवसर पर पौराणिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक बसन्त मेले का उद्घाटन एवं विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ''आपकी राय–आपका बजट'' जनता से सीधा संवाद कार्यक्रम में भी प्रतिभाग करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र अपराह्न 04.00 बजे जनता मिलन हॉल, मुख्यमंत्री आवास देहरादून में उच्च शिक्षा विभाग एवं गेल(इण्डिया) लि. की गेल उत्कर्ष सुपर 100 योजना का शुभारम्भ करेंगे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–06(02/40)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को सचिवालय में वर्तमान वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति के सापेक्ष हुए व्यय एवं संचालित कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने बजटीय प्राविधान के सापेक्ष जारी वित्तीय स्वीकृति के विरूद्ध जनवरी, 2018 तक हुए 70 प्रतिशत व्यय पर संतोष व्यक्त करते हुए वर्ष के अन्त तक निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिये है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने निर्देश दिये कि केन्द्र पोषित, वाह्य सहायतित् व अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये कलेण्डर तैयार किया जाए तथा इसके अनुसार निर्धारित अवधि में कार्य न करने वाले अधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। ऐसे लापरवाह अधिकारियों की चरित्र पंजीका से भी इसे जोड़ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये कि योजनाएं अपने निर्धारित अवधि के भीतर पूरी हो जाए इसका ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि हमारा वन क्षेत्र 71 प्रतिशत होने के बावजूद वन उपजो से होने वाली आय काफी कम है। इस दिशा में भी प्रभावी प्रयास किये जाए तथा कार्ययोजना तैयार की जाए। लीसा की नीलामी समय पर किये जाने के प्रति भी ध्यान देने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। उन्होंने जंगलों को आग से बचाने के लिये फायर लाइन पर राम बांस व आग न पकड़ने वाले पौधों के रोपण पर भी ध्यान देने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सीमान्त जनपदों के साथ ही अन्य नदियों में जहां ट्राउट मछली पैदा होती हो, इसकी भी कार्ययोजना बनायी जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में कहां पर कौन सी मछली बहुतायत में हाती है, ऐसे स्थानों का चिन्हिकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने सभी विभागाध्यक्षों को योजनाओं के क्रियान्वयन में आपसी तालमेल पर ध्यान देने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि जो सड़के लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार कर ली गयी है, उन्हें परिवहन विभाग भी संस्तुति प्रदान करें ताकि उनमें वाहनों आदि का संचालन हो तथा उसका लाभ आम जनता को मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी, लोक निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग सड़को का संयुक्त रूप से निरीक्षण करना भी सुनिश्चित करें। इसी प्रकार सड़क निर्माण के समय पेयजल, विद्युत, दूरसंचार आदि विभाग भी अपने कार्यों की सूचना लोक निर्माण विभाग को दें ताकि सड़क बनने के बाद उसे नुकसान न पहुंचे। उन्होंने डिवाइडरों पर मिट्टी की सतह को बरकरार रखने के भी निर्देश दिये ताकि वहां पर पेड़–पौधों को आकार लेने में आसानी हो सके। उन्होंने शहरों में पैदल चलने वालो के लिये भी जगह बनाये जाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने सभी इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुखों को यह भी निर्देश दिये है कि वे भी निर्माण कार्यो के इंडेक्स के लिये कॉम्प्रिहेन्सिव शैड्यूल रेट तैयार करें। उन्होंने परिवहन विभाग को इंफोर्समेन्ट कार्यो में और गति लाये जाने के लिये 10 वाहनों के क्रय करने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्य की आय से जुडे अन्य विभागों को भी संसाधन उपलब्ध कराये जाए। उन्होंने आय के संसाधनों में वृद्धि के उपायो पर भी ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं का भी व्यापक सर्वे किया जाए कि कितनी योजनायें बनी तथा कितने स्रोत बन्द हो गये है। इसके लिये ग्राम पंचायतों व पेयजल विभाग की संयुक्त मैनेजमेंट कमेटी गठित की जाए। इसमें भविष्य की योजनाओं को भी सम्मिलित किया जाए। जिन जल स्रोतों का सोर्स फॉरेस्ट एरिया है, वहां पर वन विभाग ट्रेंचेज व वृक्षारोपण पर ध्यान दें। वृक्षारोपण से जुड़े सभी विभाग भी आपसी समन्वय के साथ इसमें सहयोग करें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री ओमप्रकाश, डॉ.रणवीर सिंह, प्रमुख सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, श्री आनन्द वर्द्धन, श्रीमती मनीषा पंवार, सचिव डॉ.भूपेन्द्र कौर औलख, श्री अमित सिंह नेगी, श्री नितेश झा, श्री आर.मीनाक्षी सुन्दरम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(02/39)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने रविवार देर रात्रि उत्तरकाशी–लम्बगांव मोटर मार्ग पर रातलधार मट्टी गांव के समीप हुई वाहन दुर्घटना में मृतकों के प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करने के साथ ही घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना की है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(02/38)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को राष्ट्रीय दृष्टिबाधितार्थ संस्थान देहरादून में एनआईवीएच के विशिष्ट शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के 08 करोड़ 76 लाख रूपये की लागत से बने नव निर्मित शिक्षा भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि संस्थान के अधिकारी दिव्यांगों की समस्या से सम्बन्धित किसी भी समस्या से मुख्यमंत्री को सीधे अवगत करा सकते हैं। उनकी समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा जायेगा एवं उनका उचित समाधान निकालने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा दिव्यांगों को राजकीय सेवाओं में 04 प्रतिशत आरक्षण एवं शिक्षण संस्थाओं में 05 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने पर शीघ्र ही फैसला लिया जायेगा, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के लिए संस्थान में आने–जाने की समस्याओं के समाधान के लिए अण्डर पास बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान में बी.एड एवं एम.एड की जो कक्षाएं संचालित हो रही हैं,यदि कोई तकनीकि दिक्कत न हो तो इन कक्षाओं को देहरादून के ही किसी विश्वविद्यालय से सम्बद्धीकरण किया जा सकता है। शोध हेतु संस्थान में जो छात्र पंजीकरण कराना चाहते हैं, उसके लिए राज्य सरकार द्वारा परमिशन दी जायेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार दिव्यांगों के हितों हेतु पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार डॉ. थावर चन्द गहलोत ने कहा कि एनआईवीएच के विशिष्ट शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के नव निर्मित शिक्षा भवन बनने से विद्यार्थियों को अच्छी सुविधा मिलेगी, जिससे उनके लिए शैक्षणिक कार्यों में भी सुविधा रहेगी। छात्र–छात्राएं अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन और अच्छी तरह से कर पायेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने सभी एनआईवीएच संस्थानों के आधुनिकीकरण का कार्य किया है। केन्द्र सरकार ने दिव्यांगों के लिए नौकरी में आरक्षण 03 प्रतिशत से बढ़ाकर 04 प्रतिशत किया है, जबकि शिक्षण संस्थानों में आरक्षण 03 प्रतिशत से बढ़ाकर 05 प्रतिशत किया है। 18 नई ब्रेल प्रेस स्थापित की गई है।

इस अवसर पर समाज कल्याण एवं परिवहन मंत्री श्री यशपाल आर्य, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ.धन सिंह रावत, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती रेखा आर्य, सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, विधायक श्री गणेश जोशी, श्री सुरेश राठौर, एनआईवीएच की संयुक्त सचिव श्रीमती डौली चक्रवर्ती, निदेशक श्रीमती अनुराधा डालमिया आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

हरिद्वार/देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(02/37)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को नया बड़ा उदासीन अखाड़ा कनखल में श्रीचन्द भगवान के तीसरे मूर्ति स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सहित शहरी विकास मंत्री श्री मदन कौशिक एवं हरिद्वार नगर निगम के मेयर श्री मनोज गर्ग ने भी श्री चन्द भगवान की पूर्जा अर्चना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य में स्वच्छ एवं पारदर्शी शासन के लिए उन्होंने हरिद्वार आकर साधु सन्तों का आशीर्वाद प्राप्त किया था। उसी का परिणाम है कि राज्य सरकार ने 10 माह के कार्यकाल में पारदर्शी तरीके से कार्य किया और विपक्ष के सामने पारदर्शी शासन की मिसाल रखी। उन्होंने कहा कि वह पुनः 2021 में होने वाले महाकुम्भ के कुशलतापूर्वक आयोजन के लिए सभी संतो का आशीर्वाद एवं सहयोग लेने की अपेक्षा से अखाड़े में उपस्थित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार संत परम्परा का केंद्र हैं। यहां होने वाला महाकुम्भ उत्तराखण्ड ही नहीं वरन् भारत वर्ष का महापर्व है। जो अपनी भव्यता के कारण वैश्विक पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार महाकुम्भ को पहले से बेहतर स्वरूप में आयोजित एवं सम्पन्न कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। महाकुम्भ को सम्पन्न करने के लिए मुख्यमंत्री ने समस्त संत समाज से सहयोग की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पहले ही जिला प्रशासन को निर्देशित कर चुके हैं कि हरिद्वार को एक नये धार्मिक स्वरूप के साथ सुसज्जित किया जाये। यहां आने वाले प्रत्येक तीर्थ यात्री को हरिद्वार की सीमा में प्रवेश करते ही अनुभव हो कि वह किसी तीर्थ स्थल की ओर बढ़ रहा है। सौन्दर्यीकरण की सभी योजनाओं में अखाडों, स्थानीय नागरिकों, व्यवसायियों के आपसी सहयोग से कार्य किया जाये।

इस अवसर पर अखाड़े के महामण्डलेश्वर श्याम सुन्दर शास्त्री व मुखिया महन्त भगतराम दास, अखाड़ा अध्यक्ष महन्त धुनी दास, मुख्य सचिव महन्त जगतराम मुनि, सचिव महन्त त्रिवेणीदास, महन्त सुजीत मुनि, महन्त मंगल दास, महन्त रविन्द्रपुरी सहित अनेक साधु संतो ने मुख्यमंत्री सहित शहरी विकास मंत्री एवं हरिद्वार नगर निगम के मेयर को भगवान श्री चन्द्र के समक्ष सकुशल राजकीय संचालन का आर्शीवाद प्रदान किया।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत हरिद्वार स्थित श्री हरिहर आश्रम पहुंचे। जहां उन्होंने आश्रम के महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी महाराज से भेंट की। स्वामी अवधेशानान्द ने मुख्यमंत्री सहित शहरी विकास मंत्री एवं मेयर हरिद्वार से भगवान शिव का अभिषेक एवं संकल्प कराया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बीजेपी डॉ.जयपाल चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नोट : जिला सूचना कार्यालय, हरिद्वार से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(02/36)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि महाशिवरात्रि का पावन पर्व शिव एवं शक्ति की आराधना का पर्व है। यह पर्व समाज को प्रेम एवं सद्भाव का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शंकर और मां पार्वती की पूजा–अराधना एवं व्रत किया जाता है। भगवान शिव को विश्वनाथ भी कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने इस पावन पर्व पर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की प्रार्थना की है। शिवत्व मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर तथा असत्य से सत्य की ओर ले जाने में सक्षम है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(02/35)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को सुद्धोवाला, देहरादून में द हंस फाउण्डेशन एवं अक्षय पात्र फाउण्डेशन के समन्वय से मध्याह्न भोजन योजना हेतु केन्द्रीकृत किचन प्रणाली के भवन हेतु भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि अक्षय पात्र संस्था की यह बहुत अच्छी योजना है। बच्चों एवं उनके परिवारों पर इस योजना के बहुआयामी प्रभाव पड़ेगें। यदि बच्चों को पौष्टिक, स्वच्छ एवं आहार मिलेगा तो उनके स्वास्थ्य पर इसका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में इस योजना के क्रियान्वयन के लिए सहयोग देने पर माता मंगला एवं हंस फाउण्डेशन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज इस केन्द्रीकृत किचन की सुद्धोवाला से भूमि पूजन से शुरूआत की जा रही है। 04 यूनिट से इसका प्रारम्भ किया जा रहा है। माता मंगला जी ने इसके लिए 44 करोड़ रूपये दान दिया है। उन्होंने कहा कि इस योजना को आगे भी आवश्यकतानुसार बढ़ाया जायेगा। इस योजना को आगे बढ़ाने में राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि अक्षय पात्र संस्था निःस्वार्थ भाव से इस योजना पर कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने छात्र–छात्राओं को मध्याह्न भोजन भी वितरित किया।

अक्षय पात्र योजना से प्रदेश के सात स्थानों सुद्धोवाला,डोईवाला, हरिद्वार, रूड़की, काशीपुर, गदरपुर, सितारगंज के कुल 3729 विद्यालयों के 03 लाख 58 हजार छात्र–छात्राओं को मध्याहन भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। सुद्धोवाला के 461 स्कूलों से अक्षय पात्र योजना प्रारम्भ की जा रही है, इससे लगभग 26 हजार विद्यार्थियों को मध्याहन भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत केन्द्रीयकृत किचन प्रणाली को लागू किया जा रहा है जिसमें अक्षय पात्र फाउण्डेशन द्वारा केन्द्रीयकृत किचन के माध्यम से मध्याह्न भोजन योजना संचालित की जायेगी। इस हेतु राज्य सरकार द्वारा अक्षय पात्र फाउण्डेशन को दो से ढ़ाई एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जा रही है। द हंस फाउण्डेशन द्वारा केन्द्रीयकृत किचन निर्माण कार्य में वित्तीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

हंस फाउण्डेशन की संस्थापक माता मंगला ने कहा कि अक्षय पात्र की इस मध्याहन भोजन योजना में बच्चों को स्वच्छ एवं पौष्टिक आहार 40 मिनट के अन्दर स्कूलों में पहुंचाया जायेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की भूमि पर इस योजना के शुरू होने के बाद स्कूली छात्रों को उच्च गुणवत्ता का आहार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि अभी उत्तराखण्ड के 07 स्थानों पर इस केन्द्रीकृत किचन की योजना है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री अरविन्द पाण्डे, शहरी विकास मंत्री श्री मदन कौशिक, सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, विधायक श्री सहदेव सिंह पुण्डीर, श्री मुन्ना सिंह चौहान, श्री गणेश जोशी, हंस फाउण्डेशन के संस्थापक श्री भोले जी महाराज, पूर्व सांसद श्री बलराज पासी, शिक्षा सचिव डॉ भूपेन्द्र कौर औलख, माध्यमिक शिक्षा निदेशक कैप्टन आलोक शेखर तिवारी, अक्षय पात्र फाउण्डेशन के उपाध्यक्ष श्री चंचला पति दास आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।